Hindi Murli Quiz 17-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **तुम बच्चों की बुद्धि में यह ज्ञान क्यों भरा जाता है ?**

A. सारा मदार ही पढाई पर है
B. ताकि अज्ञान नींद से जाग जाओ
C. ताकि तुम किसी को समझा सको

Q.2) **___यह बड़ी मुश्किलात है ।**

A. सबको आत्मा देखना
B. बाप को प्रेम से याद करना
C. यथार्थ रीति जानकर और बाप को याद करना
D. निरंतर स्वदर्शन चक्र फिराते रहना

Q.3) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	तुम बच्चे जब प्रदर्शनी आदि करते हो	ऐसी युक्ति रचो जो कोई भी सहज समझ सके ।
B	ल-डाल जो भी हैं, छोटे-छोटे मठ-पंथ, उनके भी शास्त्र आदि अपने- अपने हैं ।	तो वह हो गये सब बाल-बच्चे ।
C	बच्चों को नशा है कि स्वयं भगवान हमको हेविन का मालिक बनाने के लिए पुरूषार्थ कराते हैं	उनकी शक्ल बड़ी फर्स्टक्लास खुशनुम : रहती है ।
D	बाबा सभी सेंटर्स के बच्चों को समझा रहे हैं कि कुदृष्टि वाले बहुत ढेर हैं	नाम लेने से और ही रेटर बन जायेंगे ।
E	बाप 5 विकारों पर जीत पहनाते हैं	और ही जोर से वह सामना करेंगे	
F	जीवनमुक्ति डीटी सावरन्टी इन सेकण्ड	ऐसे-ऐसे अक्षर हो जो मनुष्यों की बुद्धि में बैठे ।
G	ऐसा अच्छी रीति समझाना है	मनुष्य समझे इनके पास पूरा ज्ञान है ।
H	वास्तव में पारसबुद्धि उन्हें कहेंगे	कम से कम 50 से अधिक मार्क्स लें ।

Q.4) **यह तो सब धर्म वालों के लिए है । कहते हैं अपने को आत्मा समझो, सारे युनिवर्स का बाप है-इनकारपोरियल गॉड फादर, तो क्यों न इसका नाम स्प्रीचुअल युनिवर्सिटी ऑफ स्प्रीचुअल इनकारपोरियल गॉड फादर रखें ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.5) **यह तो रूहानी बच्चे समझते हैं कि भगवान् कौन है । भारत में कोई भी यथार्थ रीति जानते नहीं । कहते भी हैं-मैं जो हूँ, जैसा हूँ मुझे यथार्थ रीति कोई नहीं जानते । तुम्हारे में जानते हैं ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Explanation: यह तो रूहानी बच्चे समझते हैं कि भगवान् कौन है । भारत में कोई भी यथार्थ रीति जानते नहीं । कहते भी हैं-मैं जो हूँ, जैसा हूँ मुझे यथार्थ रीति कोई नहीं जानते । तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं । नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार जानते हैं ।

Q.6) **जो ब्राह्मण कुल के हैं , उनकी पहचान क्या है |**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. पूरा तीर लगा तो फिर आते रहेंगे |
B. उनकी शक्ल से भी मालूम पड़ जाता है कि यह हमारे कुल का है या नहीं |
C. न पूछते भी आपेही समझते रहेंगे ।
D. जो समझू होगा वह ध्यान से सुनेगा ।
E. उनकी बुद्धि में रचता और रचना की नॉलेज सहज ही बैठ जायेगी |
F. रोज आपेही आकर पूरा समझकर चला जायेगा ।

Q.7) **अपनी सत्यानाश करने वाले उल्टे काम करने लग पड़ते हैं | यह बाबा ने किस के लिए प्रयोग किया है |**

- **A.** जिनकी कुदृष्टि है |
- **B.** जो बाबा को यथार्थ रीति नहीं याद करते |
- **C.** जो क्रोध करते , दूसरों को दुःख देते हैं |

Q.8) **मन्मनाभव का अर्थ है-**

- **A.** बाप और वर्से को याद करो
- **B.** अपनी राजधानी को याद करो
- **C.** स्वदर्शन चक्र फिराओ
- **D.** बाप को याद करो

Q.9) **किस बात पर विचार सागर मंथन चलना चाहिए ?**

- **A.** अपना पुरुषार्थ कैसे तीव्र किया जाए
- **B.** मनुष्यों को कैसे समझाया जाए
- **C.** कुदृष्टि कभी न हो

Q.10) **बाप जो है, जैसा है, उसे यथार्थ रीति जानकर याद करना, यही मुख्य बात है, मनुष्यों को यह बात बहुत __ से समझानी है |**

- **A.** प्रेम
- **B.** नशे
- **C.** युक्ति